This question paper contains 8 printed pages]

Your Roll No................

7936

LL.B./IV Term E

Paper LB-401

CONSTITUTIONAL LAW—II

Time : 3 Hours *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

कोई **पाँच** प्रश्न कीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Discuss citing case law when can the following bodies be considered as "State" for the purpose of enforcement of fundamental rights under Part III of the Constitution of India :

(*a*) Government company established under Companies Registration Act, 1956.

(*b*) Statutory corporation set up by a statute.

(*c*) Society set up by the Government and registered under the Societies Registration Act, 1860. 20

निर्णय विधि का हवाला देते हुए विवेचन कीजिए निम्नलिखित निकायों को भारत के संविधान के भाग III के अन्तर्गत मूल अधिकारों के प्रवर्तन के प्रयोजन हेतु "राज्य" कब माना जा सकता है :

(अ) कम्पनी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत स्थापित सरकारी कम्पनी।

(ब) संविधि द्वारा स्थापित सांविधिक निगम

(स) सरकार द्वारा स्थापित और सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 के अन्तर्गत रजिस्ट्रीकृत सोसाइटी।

2. Examine the Constitutional validity of an ordinance that empowers the State Government to transfer cases for trial by special court. What features of such an ordinance justify its validation in *Kathi Raning Rawat* Vs. *State of Saurashtra* while it was struck down in *State of West Bengal* Vs. *Anwar Ali Sarkar* ? 20

उस अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को जांचिए जो राज्य सरकार को विशेष न्यायालय द्वारा विचारण हेतु केस अंतरित करने के लिए सशक्त बनाता है। ऐसे किसी अध्यादेश की कौनसी विशेषताएँ **काथी रानिंग रावत** बनाम **स्टेट ऑफ सौराष्ट्र** में इसको **स्टेट ऑफ वेस्ट बंगाल** बनाम **अनवर अली सरकार** में विखंडित किए जाते समय इसके विधिमान्यीकरण को न्यायोचित ठहराती हैं।

3. (*a*) Is reservation implicit in Article 14 of the Constitution of India or not ? Give reasons. What are the various facets of reservation envisaged in Article 16(4) of the Constitution of India ? Cite relevant cases.

(*b*) "Backward class seeks justice. General class in public employment seeks equity. Administration seeks efficiency." In the light of this statement, discuss the constitutional provisions as well as the case laws which highlight the above three angular demands of the society and the need to attain stable equilibrium amongst these three. 20

(अ) क्या भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 में आरक्षण अन्तर्निहित है अथवा नहीं ? कारण लिखिए। भारत के संविधान के अनुच्छेद 16(4) में परिकल्पित आरक्षण के विभिन्न पहलू क्या हैं ?

(ब) "पिछड़ा वर्ग न्याय चाहता है। सामान्य वर्ग लोक नियोजन में साम्या चाहता है। प्रशासन को प्रभाविता की अपेक्षा है।" उक्त कथन को ध्यान में रखते हुए उन संवैधानिक उपबन्धों तथा निर्णय विधियों का विवेचन कीजिए जो समाज की उपर्युक्त तीन कोणीय मांगों और इन तीनों के बीच स्थिर साम्यावस्था को पाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती हैं।

4. "Scarcity of resource or nature of being a public property may justify control and regulation of the same by the Government." Critically examine this statement in the light of restriction that may be imposed on the freedom of speech and expression by control and regulation of (*i*) newsprint and (*ii*) airwaves. Discuss the extent of such regulation with the help of decided cases. 20

"सम्पदा की दुलर्भता अथवा सार्वजनिक सम्पत्ति होने की प्रकृति इस पर सरकार के नियंत्रण तथा विनियमन को न्यायोचित ठहरा सकती है।" उस प्रतिबंध को ध्यान में रखते हुए उक्त कथन की समालोचना कीजिए जो (*i*) न्यूज प्रिंट और (*ii*) वायु तरंगों के नियंत्रण तथा विनियमन द्वारा वाक् और अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य पर अधिरोपित किया जा सकता है। विनिश्चित केसों की सहायता से ऐसे विनियमन की विस्तृति का विवेचन कीजिए।

5. (*a*) The concept of basic structure of the Constitution does not figure in the Constitutional Assembly debates. Discuss how this concept was read into the Constitution by the Court.

(*b*) Citing relevant case law, trace how judiciary has concluded that the principle of equality forms part of the basic structure of the Constitution of India. 20

(अ) संविधान की आधारभूत संरचना की संकल्पना का संविधान सभा की परिचर्चाओं में उल्लेख नहीं है। विवेचन कीजिए न्यायालय द्वारा संविधान में इस संकल्पना का कैसे पठन किया गया ?

(ब) सुसंगत निर्णय विधि का हवाला देते हुए उल्लेख कीजिए न्यायपालिका ने यह निष्कर्ष किस प्रकार निकाला कि समानता का सिद्धान्त भारत के संविधान के बुनियादी ढांचे के हिस्से को बनाता है।

6. A procedure that deprives a person of his life and personal liberty must satisfy the requirements of articles 14, 19 and 21. Elucidate with the help of decided cases. 20

किसी प्रक्रिया को जो किसी व्यक्ति को प्राण और दैहिक स्वतंत्रता से वंचित करती है, अनुच्छेद 14, 19 और 21 की अपेक्षाओं को पूरा करना होगा। विनिश्चित केसों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

7. Minorities have the constitutional right to establish and administer their own educational institutions. But this right is not free from regulation by the Government. Examine the extent to which state can regulate the functioning of minority educational institutions under the Constitution. Cite relevant cases. 20

अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी स्वयं की शैक्षिक संस्थाओं को स्थापित तथा अधिशासित करने का संवैधानिक अधिकार है। किन्तु यह अधिकार सरकार द्वारा विनियमन से मुक्त नहीं है। उस व्याप्ति की जांच कीजिए जिस तक कोई राज्य संविधान के अन्तर्गत अल्पसंख्यकों की शैक्षिक संस्थाओं के कार्यचालन को विनियमित कर सकता है। सुसंगत केसों का हवाला दीजिए।

8. "The trilogy of Articles 20, 21 and 22 of the Constitution of India affords a person arrested and detained not only a fair trial for the offence alleged to have been committed but also an existence consistent with human dignity within the limits imposed by detention."

Elucidate the above statement citing relevant provisions and case laws. 20

"भारत के संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 की त्रयी बन्दी और निरुद्ध किए गए किसी व्यक्ति को किए गए अभिकथित अपराध के वास्ते न केवल निष्पक्ष विचारण प्रदान करती है बल्कि निरोध द्वारा अधिरोपित सीमाओं के अन्दर मानवीय गरिमा से संगति रखने वाला अस्तित्व भी प्रदान करती है।"

सुसंगत उपबन्धों और निर्णय विधियों का हवाला देते हुए उपर्युक्त कथन की व्याख्या कीजिए।